दुबई एक्सपो में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

मैं दुबई एक्सपो 2020 में आप सभी से मिलकर प्रसन्न हूं। यह एक्सपो एक ऐतिहासिक अवसर है, जो MEASA (मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया) क्षेत्र में आयोजित किया जाने वाला अपने प्रकार का पहला एक्सपो है। यह एक्सपो वैश्विक महामारी से उत्पन्न सभी चुनौतियों के बीच वैश्विक नवाचारों और उत्कृष्टता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित करता है और इस क्षेत्र के लोगों को एक गौरवपूर्ण उत्सव मनाने का अवसर देता है। मैं संयुक्त अरब अमीरात की सरकार को दुबई वर्ल्ड एक्सपो 2020 के इस महत्वपूर्ण भव्य आयोजन पर बधाई देता हूं। मैं आगे कुछ और कहने से पूर्व भारतीय संसदीय शिष्टमंडल को प्रदान किए गए उदार आतिथ्य और सत्कार की हार्दिक प्रशंसा करता हूं। यह सही अर्थों में दोनों देशों के बीच मित्रता और जुड़ाव का प्रतीक है।

मित्रो, वैश्विक प्रदर्शनियों का एक सौ सत्तर वर्षों का अपना इतिहास रहा है। इन प्रदर्शनियों में हमेशा नई सोच और नए विचारों के माध्यम से आम लोगों के जीवन में सुधार की प्रेरणा दी जाती है ताकि एक बेहतर विश्व का निर्माण किया जा सके। यह सराहनीय है कि दुबई एक्सपो ने इस परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ-साथ विविध कार्यक्रमों और नवाचारों के माध्यम से अपना विशिष्ट योगदान भी दिया है। यह आसन्न वैश्विक चुनौतियों के लिए सामूहिक समाधान निकालने का एक अवसर बन गया है। साथ ही यह सतत भविष्य की दिशा में कार्यरत एक बड़े मंच के रूप में उभरा है।

इस एक्सपो में विश्व के 192 देशों की ऐतिहासिक भागीदारी है जहां उनकी उपलब्धियां दर्शायी गई हैं और उनके यहां उपलब्ध अवसरों की झलक प्रदान की गई है । यह एक प्रकार से मानव सभ्यता का मंथन है। यहां दुबई एक्सपो में अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ विज्ञान, कला, संस्कृति, खाद्य और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उपलब्धियों का अनूठा संगम है जो वास्तव में मनमोहक है। संपूर्ण विश्व के लिए एक साथ आने, चर्चा करने, विचार-विमर्श करने, सीखने, आदान-प्रदान करने और करार करने के लिए इससे बेहतर स्थान और अवसर नहीं मिल सकता। इस एक्सपो के माध्यम से सही मायने में ''कनेक्टिंग माइंड्स एंड क्रिएटिंग द फ्यूचर'' की अवधारणा को कार्यान्वित किया गया है, जो कि इस एक्सपो 2020 का विषय है और मेरे विचार में बहुत प्रासंगिक भी है।

एक्सपो की कार्यक्रम सूची में विशेष रूप से 'साप्ताहिक विषय' भी शामिल हैं जो सप्ताह के कार्यकलापों से संबंधित है। इसमें मानव सभ्यता को सहेजने और उसके सतत विकास के दृष्टिकोण से विविध चुनौतियों और अवसरों को तलाशने का हर अवसर प्रदान किया गया है। जलवायु और जैव-विविधता, अंतरिक्ष, शहरी और ग्रामीण विकास, सहिष्णुता और समावेश, ज्ञान और शिक्षण, यात्रा और संपर्क , वैश्विक लक्ष्य , स्वास्थ्य और कल्याण, खाद्य, कृषि और जीविका तथा जल यह सभी मानव जीवन और मानवता की प्रगति के लिए बहुत प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हैं।

इस सप्ताह का विषय, जो खाद्य, कृषि और जीविका से संबंधित है , हम सभी के समक्ष मौजूद सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। हमें समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए उचित खाद्य और पोषाहार सुनिश्चित करने के लिए अपनी खाद्य उत्पादन संपर्क श्रृंखला में बदलाव लाना है। इसके लिए हमारे अन्नदाता किसानों के साथ-साथ इकोसिस्टम की आवश्यकताओं को ध्यान में रखना भी अत्यंत आवश्यक है। हम सभी को सतत और लाभकारी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए हमारी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों में सहयोग देने के लिए कृतसंकल्प होना चाहिए। साथ ही भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए तथा खानपान की उचित आदतों को भी दृढ़ता से अपनाना चाहिए।

मुझे भारत में हमारे किसान भाइयों की उल्लेखनीय सूझबूझ और उपलब्धियों को साझा करने में गर्व महसूस हो रहा है। भारत में मौजूदा महामारी के बीच भी कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। भारत के कृषि क्षेत्र ने महामारी का सफलतापूर्वक सामना किया तथा ऐसे समय में भी जब समग्र अर्थव्यवस्था में गिरावट आ रही थी, कृषि क्षेत्र ने 2020-21 में 3.6 प्रतिशत की औसत से अधिक वास्तविक वृद्धि दर्ज की। कोविड-19 की बार-बार आ रही लहरों से चिंतित होकर जब कई देशों ने उच्च कीमतों पर अनाज का भंडारण शुरू किया, तो भारत को अनाज के सार्वजनिक भंडारण के कारण अधिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा क्योंकि हमारे पास सार्वजनिक भंडारण में बफर मानदंडों से अधिक अनाज था। हमने कृषि निर्यात में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है और वर्ष 2020-21 में मार्केट सरप्लस की खरीद में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है।

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि हमारी सरकार किसानों की समग्र भलाई और समृद्धि के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीज और उर्वरकों की समय पर व्यवस्था हो या गंगा नदी के किनारे 5 किलोमीटर चौड़े गलियारों में पूरे भारत में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की पहल हो, सरकार ने अपने कर्तव्य निर्वहन में कोई समझौता नहीं किया है। तथापि, सतत और लाभकारी कृषि पद्धतियों

को सफल बनाने में सांसदों सहित सभी हितधारकों की भागीदारी अति आवश्यक है। हमें ऐसे समाज विकसित करने होंगे, जो आपस में जुड़े हों और जहां इनोवेटिव आइडियाज और ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेज को सुगमता से साझा किया जा सके, ताकि कृषि, खाद्य सुरक्षा और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा मिले।

जैसा कि आप जानते हैं, भारत की अर्थव्यवस्था महामारी से उत्पन्न व्यवधानों से उबरने के मजबूत संकेत दिखा रही है। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गई है। ऐसी भरपूर संभावनाएं हैं कि यह आने वाले कई वर्षों में भी अपनी स्थिति बनाए रखेगी। दरअसल, भारत पूरी दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चार मंजिलों वाले भव्य भारतीय पवेलियन के उद्घाटन के दौरान 'विश्व के लिए एक सतत भविष्य' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हमारा भारत प्रतिभा का खजाना है और यह एक ऐसा देश है जहां युवाओं की जनसंख्या सबसे अधिक है, जिनके कौशल और प्रतिभा को दुनिया भर में स्वीकार किया जाता है। मित्रों, भारत पैविलियन की टैगलाइन "ओपननेस, अपार्च्यूनिटी एंड ग्रोथ" भारत आने वाले सभी आगंतुकों और निवेशकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध असीमित अवसरों को परिलक्षित करती है। भारतीय अर्थव्यवस्था कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, लॉजिस्टिक्स और सेवा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए बेहतर अवसर अवसर प्रदान करती है।

हमारी सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने से भारत न केवल निवेश के लिए बल्कि व्यापार करने की सुगमता की दृष्टि से भी सर्वाधिक आकर्षक स्थल के रूप में उभरा है। 'शासन व्यवस्था पर विश्वास' के विचार को अपनाते हुए भारत ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अगले चरण को शुरू करने के लिए तैयार है।

इस नए चरण के दौरान राज्यों की सक्रिय भागीदारी, मैनुअल प्रक्रियाओं और कार्यकलापों का डिजिटलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से केंद्र और राज्य-स्तरीय प्रणालियों का एकीकरण किया जाएगा तथा सभी नागरिकों से जुड़ी सेवाओं को एक ही स्थल पर उपलब्ध कराया जाएगा और अनुपालनों का मानकीकरण किया जाएगा और उनकी पुनरावृत्ति को दूर किया जाएगा।

भारत की विकास यात्रा के 75 वर्ष पूरे होने और देश के गौरवशाली, सांस्कृतिक इतिहास और इसकी उपलब्धियों के उपलक्ष्य में भारत आजादी का ' अमृत महोत्सव' मना रहा है। भारत ने 'अमृत काल' में प्रवेश

किया है जिसके अंतर्गत हमने अगले 25 वर्षों के दौरान देश की प्रगति और विकास हेतु व्यापक रूपरेखा तैयार की है। अपने सपनों का भारत बनाने के लिए अमृत काल के दौरान समावेशी कल्याण के सिद्धांतों, डिजिटल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने, वित्तीय प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास को बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग की दिशा में आगे बढ़ने और जलवायु परिवर्तन के संबंध में कार्रवाई करने पर ध्यान दिया जाएगा।

साथियो, भारत की संसद देश के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। जनता के प्रति हमारे कर्तव्य और उत्तरदायित्व सदैव हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे हैं। भारतीय संसद ने कोविड के कठिन दौर में भी कोविड संबंधी उचित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपना कार्य जारी रखा। भारतीय संसद के सभी सदस्य महामारी से निपटने के लिए अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करते रहे हैं।

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि भारतीय पैवेलियन में दिखाई जा रही सजीव प्रदर्शनी आगंतुकों को विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की 75 वर्षों की यात्रा की झलक दिखाता है।

यहां भारतीय पैवेलियन को काफी पसंद किया जा रहा है। जो हर्ष का विषय है। जैसा कि मुझे पता चला है कि यह पैवेलियन एक्सपो में सबसे अधिक देखे जाने वाले पैवेलियनों में से एक है और अब तक 9 लाख लोग इस पैवेलियन को देख चुके हैं। मेरा यह मानना है कि भारत के भव्य अतीत को दर्शाने के अतिरिक्त, भारतीय पैवेलियन विश्व के समक्ष भविष्य के आकांक्षी भारत की झलक भी प्रस्तुत करता है। यह पूरे विश्व के निवेशकों के लिए भारत में उपलब्ध अवसरों के साथ-साथ हमारी विरासत, संस्कृति, शक्ति और प्रगति को भी दर्शाता है। विशिष्ट रूप से बनाए गए एक मूविंग पैटर्न के माध्यम से भारतीय पैवेलियन हमारे योग और आयुर्वेद, साहित्य और कला, समृद्ध विरासत, उत्कृष्ट भोजन और हमारी विकसित हो रही अंतरिक्ष संबंधी तकनीक को प्रस्तुत करता है। यह पैवेलियन 'इंडिया ऑन द मूव ' और 'इंडिया द डायवर्स' विषय को दर्शाता है।

यह वास्तव में प्रशंसनीय है कि 2 दिसम्बर, 2021 को संयुक्त अरब अमीरात के 50वें राष्ट्रीय दिवस के आयोजन में भारतीय पैवेलियन की भी भागीदारी रही है, जिसमें भारत और संयुक्त अरब अमीरात की संस्कृति के अनोखे मिश्रण को प्रदर्शित करते हुए अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल थीं। इसमें भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच घनिष्ठ होते संबंधों को दर्शाया गया है।

मुझे विश्वास है कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच विशेष संबंध दोनों देशों की समृद्धि में बहुत सहायक सिद्ध होंगे। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं दुबई वर्ल्ड एक्सपो 2020 की अभूतपूर्व सफलता की कामना करता हूं। धन्यवाद।